वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 279 | शनिवार 7 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

स्वदेशी की ताकत से भारत बनेगा विश्व की महाशक्ति: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' का, उद्घोष हमारी सनातन परंपरा का पुनर्जागरण

जयपुर. कासं

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वदेशी केवल एक आर्थिक विचार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा और सनातन परंपरा है। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वदेशी की इसी सामूहिक शक्ति के बल पर भारत न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि शीघ्र ही दुनिया की महाशक्ति के रूप में स्थापित होगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को जयपुर के जगतपुरा में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित 'उद्यमी सम्मान समारोह' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस गरिमामयी समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के सफल उद्यमियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

स्वदेशी और स्वावलंबन: भारत की प्राचीन पहचान

अपने संबोधन में शर्मा ने कहा कि स्वदेशी और स्वावलंबन की अवधारणा भारत की आत्मा में हजारों वर्षों से रची-बसी है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा, सदियों पहले जब यूरोप के देश व्यापार के मार्ग खोज रहे थे, तब भारत के मुर्शिदाबाद की मलमल, बनारस का रेशम और राजस्थान के पारंपरिक 'लहरिया' व 'बंधेज' पूरी दुनिया के बाजारों की शान हुआ करते थे। इस प्राचीन गौरव को पुनः स्थापित करने के लिए स्वदेशी जागरण मंच के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर वर्ल्ड' का उद्घोष भारत के आर्थिक पुनर्जागरण का आान है। उन्होंने कोरोना काल का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारत ने दुनिया के शक्तिशाली देशों को दवाइयां और वैक्सीन उपलब्ध कराईं। यह प्रधानमंत्री की उस दूरगामी सोच का परिणाम था, जिसने भारत को एक 'उपभोक्ता' से 'उत्पादक' राष्ट्र में बदल दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश की अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था की रैंकिंग में 11वें स्थान से लंबी छलांग लगाकर चौथे स्थान पर पहुँच गया है। आज देश रक्षा उपकरणों से लेकर सेमीकंडक्टर निर्माण तक के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक आत्मनिर्भरता केवल बड़े उद्योगों से नहीं, बल्कि छोटे और स्थानीय उद्यमियों के सशक्तिकरण से आती है। यही स्वदेशी की वास्तविक आत्मा और ग्रामोद्योग की ताकत है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें, क्योंकि इससे उस उत्पाद से जुड़ी पूरी श्रृंखला और कामगारों को आर्थिक सहारा मिलता है। राज्य सरकार के प्रयासों का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 'पंच गौरव कार्यक्रम' लागू किया है। उन्होंने 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के समझौतों पर कार्य धरातल पर शुरू (ग्राउंड ब्रेकिंग) हो चुका है। उन्होंने पर्यटन और विरासत संरक्षण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऐतिहासिक किले, महल और मंदिर हमारी पहचान हैं। विशेष रूप से शेखावाटी की हवेलियाँ हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिनके संरक्षण के लिए सरकार विशेष कार्ययोजना पर काम कर रही है।

सम्मान समारोह और गणमान्य उपस्थिति

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में नवाचार और स्वदेशी को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक आर. सुंदरम, राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल, अखिल भारतीय महिला प्रमुख श्रीमती अर्चना मीणा, और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जयपुर प्रांत के संघचालक महेन्द्र सिंह मग्गो सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और उद्यमी उपस्थित रहे।

लोग गलत होने पर माफी नहीं मांगते, बल्कि खुद को सही साबित करने में ताकत लगा देते हैं: अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर

नीमच (मध्य प्रदेश). शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज इन दिनों नीमच प्रवास पर हैं। इस दौरान आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने वर्तमान समाज में गिरते हुए संवाद के स्तर पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज के दौर में लोग अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय दूसरों को गलत साबित करने में अपनी पूरी ऊर्जा व्यर्थ कर देते हैं।

वाद, विवाद और संवाद का सूक्ष्म अंतर

आचार्य श्री ने जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तार से समझाया:

वाद: यह जनसामान्य के बीच होने वाली एक सहज और सामान्य बातचीत है।

विवाद: आधी-अधूरी बात सुनकर प्रतिक्रिया देना विवाद को जन्म देता है। अज्ञानियों के बीच होने वाले इस 'विवाद' से केवल समय की बर्बादी, मनमुटाव और बैर बढ़ता है।

संवाद: यह दो समझदारों के बीच होता है। इसमें धैर्यपूर्वक सुनना, समझना और निष्कर्ष पर पहुँचना शामिल है। संवाद ही समाधान और सुलह का एकमात्र मार्ग है।

संवाद की परंपरा को पुनर्जीवित करने के तीन चरण

आचार्य श्री ने बताया कि आज सार्वजनिक जीवन में असहमति अब तर्क के बजाय व्यक्तिगत आरोपों में बदलती जा रही है। इसे सुधारने के लिए उन्होंने तीन मुख्य कदम सुझाए:

प्रथम चरण (असहमतियों को स्वीकारना): संवाद में 'मतभेद' हो सकते हैं, लेकिन 'मनभेद' नहीं होना चाहिए। मतभेद होना बौद्धिक सक्रियता का प्रमाण है। यदि सामने वाले की राय बेहतर है, तो उसका सम्मान करना ही बड़प्पन है।

द्वितीय चरण (भाषा की मर्यादा): संवाद में शालीनता का होना अनिवार्य है। हमारे शब्द केवल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के दर्पण हैं। मर्यादित भाषा ही विचारों को विश्वसनीय बनाती है।

तृतीय चरण (सुनने और सहने की शक्ति): जब हम केवल उत्तर देने के लिए नहीं, बल्कि समझने के लिए सुनते हैं, तब टकराव 'विमर्श' में बदल जाता है। धैर्य से सुनने पर ही हम किसी ठोस समाधान तक पहुँच सकते हैं।

युवा पीढ़ी को संदेश: आचार्य श्री ने विशेष रूप से नई पीढ़ी को प्रेरित करते हुए कहा कि असहमति व्यक्त करना उनका अधिकार है, लेकिन उसे सम्मानपूर्वक प्रकट करना उनका नैतिक दायित्व भी है। उन्होंने अंत में एक कड़वा सत्य साझा किया कि नकारात्मक लोगों से सदैव दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनके पास हर समाधान के लिए एक नई समस्या तैयार रहती है।

प्रस्तुति: नरेंद्र अजमेरा एवं पियुष कासलीवाल (औरंगाबाद)

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL
प्रायोजक समाचार जगत
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर एवं
प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति, दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी
द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
रविवार 8 मार्च 2026
प्रात: 9 से 12 बजे तक
स्थान : संयम भवन
दिगम्बर जैन मन्दिर, जनकपुरी, जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर
अध्यक्ष : शकुन्तला-महावीर प्रसाद बिंदायका
सचिव : सुनिता-रमेश गंगवाल
कोषाध्यक्ष : उर्मिला-राकेश जैन
प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति, दि.जैन मन्दिर जनकपुरी
अध्यक्ष : वृद्धिप्रकाश छाबड़ा, मंत्री : देवेन्द्र कासलीवाल
जैन युवा मंच : अध्यक्ष : अमित शाह
महिला मण्डल : अध्यक्ष : अनीता बिंदायका
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया
दीप प्रज्जवलन कर्ता :
श्रीमान् महेश जी - श्रीमती नीना जी काला
श्रीमती प्रेमलता जैन
विशेष सहयोग कर्ता :
श्रीमान् पद्म जी श्रीमती पुष्पा बिलाला
संयोजक : अर्चना जैन, मधु पाण्ड्या, शीला जैन, पुष्पा जी बिलाला
अंजना शास्त्री, अनिता जैन, बीना शाह, बबीता जैन
अलका जैन, सरोज जैन, चित्रा जैन, स्नेहलता जैन

आमेरः विश्व महिला दिवस की पूर्व संध्या पर 'दहेज' नाटक का होगा मंचन

आमेर. शाबाश इंडिया। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'नाटकवाला कला मंच' द्वारा ''घर-घर रंगमंच'' हर दर रंगमंच मुहिम के तहत 'नारी शक्ति मास-2026' का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में शनिवार, 7 मार्च 2026 को शाम 6 बजे आमेर स्थित मंच पर एक विशेष नाट्य प्रस्तुति आयोजित होगी। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध लेखक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की कालजयी कहानी पर आधारित सामाजिक नाटक 'दहेज' का मंचन किया जाएगा। नाटक की परिकल्पना, निर्देशन एवं प्रकाश संयोजन वरिष्ठ रंगकर्मी राजीव मिश्रा द्वारा किया गया है। गीत-संगीत, कविता और रंगमंच के माध्यम से समाज में नारी शक्ति के प्रति सम्मान और संवाद को प्रोत्साहित करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। संस्था के संस्थापक एवं रंगकर्मी ओम प्रकाश सैनी के अनुसार, यह कार्यक्रम किसी भव्य प्रदर्शन की घोषणा मात्र नहीं, बल्कि नारी गरिमा को समर्पित छोटे-छोटे रंगमंचीय प्रयासों की एक विनम्र शुरूआत है। आयोजन में स्थानीय कलाकार, रंगकर्मी और प्रबुद्ध नागरिक सहभागी बनेंगे। नाटकवाला कला मंच ने सभी कला प्रेमियों से इस सांस्कृतिक पहल का हिस्सा बनने का आग्रह किया है।

केशवराय पाटन अतिशय क्षेत्र में गंगवाल एवं पांड्या परिवार को मिला प्रथम अभिषेक का सौभाग्य

अजमेर/बूंदी. शाबाश इंडिया

होली महोत्सव के पावन अवसर पर अजमेर के श्रद्धालु परिवारों ने बूंदी जिले के श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, केशवराय पाटन में दर्शन एवं पूजन का पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान गंगवाल परिवार (श्री मनोकामना ज्वेलर्स, अजमेर) की मातुश्री मोहिनी देवी, सुनील, कमल, पंकज, सौरभ, संयम, देवर्ष एवं भविक गंगवाल को सौधर्म इंद्र बनकर प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वहीं, शांतिधारा करने का पुण्य लाभ विजय पांड्या परिवार को मिला। क्षेत्र कमेटी ने मुकुट, माला और चित्र भेंट कर इन परिवारों का अभिनंदन किया।

धार्मिक यात्रा और समाज सेवा का संगम

महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 के उपनिदेशक कमल गंगवाल ने बताया कि यह तीन दिवसीय यात्रा धार्मिक दर्शन के साथ-साथ संस्था की गतिविधियों के विस्तार के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यात्रा के दौरान माखुपुरा, जहाजपुर, कोटा दादाबाड़ी, चांदखेड़ी, झालरापाटन और आंवा जैसे प्रमुख तीर्थों के दर्शन किए गए। अजयमेरु केंद्र के उपाध्यक्ष विजय पांड्या ने इस अवसर पर समाज के नए सदस्यों को 'महावीर इंटरनेशनल' की सेवा गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। यात्रा में देवर्ष जैन, रूबी जैन, मोना जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL
प्रायोजक समाचार जगत
एम्बीशन किड्स एकेडमी एवं
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर
द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
रविवार 8 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक
स्थान : एम्बीशन किड्स एकेडमी
62/121, प्रताप नगर, श्योपुर, मेन रोड़, सांगानेर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
एम्बीशन किड्स एकेडमी
डॉ. मनीष जैन 'मणि'-डॉ. अलका जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर
अध्यक्ष : डॉ. एम.एल. जैन मणि-डॉ. शांति जैन
सचिव : सुरेश-आभा गंगवाल
कोषाध्यक्ष : पारस-मंजू लुहाड़िया
: आयोजन समिति :
राजेश बड़जात्या - मुख्य समन्वयक
राकेश गोदिका - मुख्य समन्वयक
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
सुनील बज - अध्यक्ष, नीरज जैन - महासचिव
कोषाध्यक्ष -प्रमोद जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
राजेश पाटनी - अध्यक्ष, संजय छाबड़ा - सचिव
कोषाध्यक्ष - कमल चन्द ठोलिया

पहल

मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर आज हर राष्ट्र पर्यावरण की जटिल समस्याओं का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विभिन्न देश एकजुट होकर रणनीतियाँ बना रहे हैं। मानवीय जीवन को सुरक्षित रखने की दिशा में 'पेरिस समझौता' जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रयास मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। एक जागरूक नागरिक के रूप में मेरा मानना है कि पर्यावरण सुरक्षा अब केवल सरकारी नीतियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे एक जन-आंदोलन बनना होगा। भारत न केवल अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पर्यावरण सुरक्षा में सहयोग प्रदान कर रहा है, बल्कि घरेलू स्तर पर भी अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय से पूर्व प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तर पर अनेक संस्थाएँ इस दिशा में कार्यरत हैं, परंतु वास्तविक परिवर्तन तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक इस 'पर्यावरण सुरक्षा यज्ञ' में अपनी आहुति दे। हमें ₹आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें₹ के नारे को चरितार्थ करना होगा। मानव को प्रकृति का शोषक नहीं, बल्कि साथी बनना होगा। हाल ही में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने एक संबोधन के दौरान विज्ञान के क्षेत्र में ऐसी नई प्रौद्योगिकियों और नवोन्मेषण की अपील की, जो पर्यावरण के अनुकूल हों। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें न केवल सजीवों, बल्कि प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान रखना चाहिए। पृथ्वी का 'पारिस्थितिकी तंत्र' इस तरह निर्मित है कि किसी एक भौगोलिक क्षेत्र में होने वाला क्षरण पूरे विश्व को प्रभावित करता है। कार्बन उत्सर्जन इसका ज्वलंत उदाहरण है; उत्सर्जन भले ही एक देश में हो, इसका दुष्प्रभाव वैश्विक होता है। भारत अपनी समृद्ध परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है। मृदा संरक्षण को केवल मिट्टी तक सीमित नहीं रखा जा सकता; यह वनीकरण, वन्यजीव संरक्षण और आर्द्रभूमि के संरक्षण से गहराई से जुड़ा है। सामूहिक प्रयासों से ही इन वैश्विक समस्याओं का निदान संभव है। 'मिट्टी बचाओ' जैसे अभियान वर्तमान में उम्मीद की एक किरण हैं, जो न केवल मिट्टी की रक्षा करते हैं, बल्कि मानव सभ्यता और संस्कृति को भी संरक्षित करते हैं।

संपादकीय

वैश्विक अर्थव्यवस्था और भारत के लिए खतरे की घंटी

पश्चिम एशिया में ईरान, इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव वैश्विक तेल बाजार के लिए गहरी चिंता का विषय बन गया है। इस टकराव का सबसे बड़ा केंद्र होर्मुज जलडमरूमध्य (समुद्री मार्ग) है, जहाँ से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल गुजरता है। भारत के लिए यह मार्ग रणनीतिक और आर्थिक रूप से जीवन रेखा के समान है, क्योंकि हमारे कुल तेल आयात का लगभग 50-52 प्रतिशत हिस्सा इसी

रास्ते से आता है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है, जो अपनी आवश्यकता का 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। पेट्रोलियम मंत्रालय की सूचना के अनुसार, तेल की कीमतें 80 मुद्रा (डॉलर) प्रति पीपा (बैरल) के पार जा चुकी हैं। यदि यह समुद्री मार्ग अवरुद्ध होता है, तो भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों के साथ-साथ महंगाई दर में 1-2 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। राहत की बात यह है कि सरकार के पास लगभग 6-7 सप्ताह का 'रणनीतिक तेल भंडार' उपलब्ध है, जो आपात स्थिति में घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के शहरी क्षेत्रों पर हमलों के बाद स्थिति और जटिल हो गई है। हालिया तनाव का असर इस कदर रहा कि 4 मार्च 2026 (बुधवार) को तेहरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का अंतिम संस्कार तक स्थगित करना पड़ा। इस युद्ध की आंच समुद्र तक पहुँच चुकी है; वर्तमान में फारस और ओमान की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 37 जहाज फंसे हुए हैं, जिन पर 1100 से अधिक भारतीय नाविक सवार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खाड़ी देशों के नेताओं से वार्ता कर भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। युद्ध की अनिश्चितता ने भारतीय बाजारों को हिला दिया है। शेयर बाजार में 1123 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई और विदेशी मुद्रा के मुकाबले रुपया 92 के ऐतिहासिक निचले स्तर को पार कर गया। होर्मुज मार्ग बाधित होने के कारण जहाजों को अब 'केप ऑफ गुड होप' (अफ्रीका के दक्षिण से) के लंबे रास्ते से लाया जा रहा है। इससे परिवहन लागत में 40 प्रतिशत की वृद्धि और समय में दो सप्ताह का अतिरिक्त विलंब हो रहा है, जिससे भारत के निर्यात में 15 प्रतिशत की गिरावट की आशंका है। कच्चे माल और औद्योगिक धातुओं की आपूर्ति प्रभावित होने से वाहन निर्माण और निर्माण क्षेत्र की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। भारत फॉस्फेट और पोटाश जैसे उर्वरकों के कच्चे माल का बड़ा आयातक है। ऊर्जा लागत बढ़ने से उर्वरक उत्पादन महंगा होगा, जिसका सीधा असर रबी फसलों की तैयारी और सरकारी सहायता के बोझ पर पड़ेगा। साथ ही, सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ने से इसके दामों में भी उछाल संभव है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इन हमलों को वैश्विक कानूनों का उल्लंघन बताया है, लेकिन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों (रूस, चीन, अमेरिका) के बीच मतभेदों के कारण कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नीतीश का राज्यसभा की ओर कदम

कांतिलाल मांडोत

बिहार की राजनीति में दो दशकों से अधिक समय तक निर्णायक भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार ने जब राज्यसभा के लिए नामांकन की घोषणा की, तो राज्य की सियासत में हलचल मचना स्वाभाविक था। मुख्यमंत्री के रूप में बिहार को एक नई दिशा देने वाले कद के नेता का यह निर्णय कई लोगों के लिए चौंकाने वाला हो सकता है, किंतु इसे किसी दबाव या मजबूरी से जोड़ना वास्तविकता से परे प्रतीत होता है। स्वयं नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया है कि उनके संसदीय जीवन की शुरूआत से ही यह प्रबल इच्छा रही है कि वे बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ-साथ संसद के भी दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) के सदस्य बनें। जब कोई अनुभवी और परिपक्व राजनेता अपनी इच्छा सार्वजनिक रूप से व्यक्त करता है, तो उस पर संदेह करना या उसे किसी 'राजनीतिक सौदेबाजी' का परिणाम बताना न केवल अनुचित है, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भी विरुद्ध है।

राष्ट्रीय मंच पर अनुभव की उपयोगिता

नामांकन के समय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति यह संकेत देती है कि राष्ट्रीय स्तर पर नीतीश कुमार के अनुभव और योगदान को विशेष महत्व दिया जा रहा है। राज्यसभा को 'अनुभवी नेताओं का सदन' माना जाता है, जहाँ दीर्घकालिक राजनीतिक अनुभव रखने वाले नेता देश की नीतियों और चर्चाओं को परिपक्वता प्रदान करते हैं। ऐसे में बिहार जैसे बड़े राज्य के एक वरिष्ठ नेता का उच्च सदन में जाना राष्ट्रीय मुद्दों पर नीति-निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। नीतीश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने कई प्रकार के आरोप लगाए। विशेष रूप से तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं ने इसे भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'हाइजैक' किए जाने का परिणाम बताया। हालांकि, ये आरोप उस समय आधारहीन हो जाते हैं जब स्वयं नीतीश कुमार यह कह चुके हैं कि यह फैसला उनका व्यक्तिगत है और वे बिहार की नई सरकार को अपना निरंतर मार्गदर्शन देते रहेंगे। स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति की पहचान यही है कि किसी नेता के स्वतंत्र निर्णय का सम्मान किया जाए। निर्णय की घोषणा के बाद पटना स्थित जदयू कार्यालय और मुख्यमंत्री आवास के बाहर कार्यकर्ताओं की नाराजगी और भावनात्मक प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिलीं। यह स्वाभाविक है कि जिन कार्यकर्ताओं ने वर्षों तक अपने नेता के साथ राजनीतिक संघर्ष किया हो, वे अचानक आए इस परिवर्तन से विचलित हो जाएं। किंतु, लोकतांत्रिक राजनीति में बड़े निर्णय केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि व्यापक दृष्टि और भविष्य की रणनीति को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। नीतीश कुमार ने बिहार की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि 'विकसित बिहार' बनाने का उनका संकल्प अटूट है। वह बिहार की सक्रिय राजनीति से दूर नहीं हो रहे, बल्कि एक नई भूमिका में राज्य और देश की सेवा करना चाहते हैं। एक कुशल प्रशासक के रूप में उन्होंने बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था में जो सुधार किए, वे उनकी अमूल्य विरासत हैं। नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए कदम उनके राजनीतिक जीवन के एक नए अध्याय की शुरूआत है। राज्यसभा में उनकी उपस्थिति से न केवल विधायी प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी, बल्कि बिहार की आवाज भी प्रभावी ढंग से राष्ट्रीय मंच तक पहुँचेगी। लोकतंत्र की शक्ति संवाद और तर्क में निहित है, न कि हंगामे और निराधार आरोपों में।

कवि सम्मेलन के आयोजन हेतु सम्पर्क करें।
M.: 6306127196, 9415586223
महावीरा इवेंट्स की विशेष प्रस्तुति
भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव
'महावीर जयंती'
के शुभ अवसर पर यदि आप
'अखिल भारतीय कवि सम्मेलन'
का आयोजन रखना चाहते हो तो
सम्पर्क करें।
कवि सम्मेलन
कवि जैन वीरेन्द्र विद्रोही
'ललितपुर' मो. 96306127196

।। श्री चन्द्रप्रभ जिनेन्द्राय: नम: ।।
श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
।। श्री पार्श्वनाथाय: नम: ।।
पारस विहार, मुहाना मंडी, मोहनपुरा, जयपुर-29
चैत्यालय उत्थापन एवं
श्रीजी विराजमान महोत्सव
शनिवार, दिनांक 7 मार्च 2026
स्थान : श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय गोदीकान 722 गोदीका भवन
प्रात: 7.15 बजे : अभिषेक पूजा
प्रात: 8.15 बजे : श्रीजी प्रतिमा उत्थापन
प्रात: 9.15 बजे : अभिषेक एवं जाप
स्थान : श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, पारस विहार मुहाना मण्डी
रविवार, दिनांक 8 मार्च 2026
स्थान : श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, पारस विहार मुहाना मण्डी
प्रात: 7.00 बजे : श्रीजी की पालकी यात्रा (मुहाना मण्डी प्रांगण से मन्दिर जी तक)
प्रात: 8.00 बजे : याज्ञ मण्डल विधान (संगीत व साजो द्वारा)
प्रात: 11.30 बजे : हवन
दोपहर 12.15 बजे : वेदी में श्रीजी विराजमान
दोपहर 12.40 बजे : कलशाभिषेक एवं महाआरती
दोपहर 1.30 बजे : स्नेहभोज
पं. श्री निर्मल कुमार जी बोहरा
महोत्सव के पात्र
सौधर्म इन्द्र बाबूलाल-सुमन गोदीका
ईशान इन्द्र राजेन्द्र-शीला गोदीका
सानत इन्द्र मोनेश-सपना गोदीका
माहेन्द्र इन्द्र डॉ. सौरभ-नीतू गोदीका
ब्रह्म इन्द्र सुदेश-अलका गोदीका
लान्तव इन्द्र सुशील-शशि गोदीका
शुक्रेन्द्र प्रवीण-हेमलता गोदीका
शतेन्द्र सुधीर-आरती गोदीका
आनतेन्द्र रवि-अंजू गोदीका
प्रणेन्द्र अंकित-पूजा गोदीका
चक्रवती दिलीप-रजनी गोदीका
कुबेर राकेश-समता गोदीका
यज्ञ नायक पवन-सरोज गोदीका
:: निवेदक ::
राजेन्द्र गोदीका, बाबूलाल गोदीका, विरेन्द्र गोदीका, निर्मल गोदीका, राजेन्द्र गोदीका (बाबू), रजनेश गोदीका
हरीश गोदीका, सुभाष गोदीका, सुशील गोदीका, रामचन्द्र गोदीका, राजकुमार गोदीका, राजेश गोदीका
प्रदीप गोदीका, अशोक गोदीका, रवि गोदीका, डॉ.सौरभ गोदीका, संदीप गोदीका, आनन्द गोदीका
प्रमोद गोदीका, अंकित गोदीका, प्रतीक गोदीका, सुनील गोदीका
:: आयोजन समिति ::
पवन कुमार गोदीका मुख्य समन्वयक
राकेश गोदीका मुख्य समन्वयक
दिलीप गोदीका
अनिल गोदीका
दिनेश गोदीका
सुदेश गोदीका
सुधीर गोदीका
प्रवीण गोदीका
मोनेश गोदीका
अरुण काला
समस्त गोदीका परिवार
722 गोदीका भवन

जयपुर: श्री वीर सेवक मण्डल ने फूलों की होली और 'मयूर रास' के साथ मनाया 105वाँ उत्सव

ब्रज के कलाकारों ने दी लट्ठमार होली की प्रस्तुति, 'भट्टारक जी की नासियां' में उमड़ा जनसैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज की 105 वर्ष पुरानी प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्था 'श्री वीर सेवक मण्डल' द्वारा वार्षिक 'होली स्नेह मिलन समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। रविवार, 1 मार्च 2026 को भट्टारक जी की नासियां में आयोजित इस कार्यक्रम में फूलों की रंगारंग होली और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया।

ब्रज की कला और संस्कृति का अनूठा संगम

कार्यक्रम संयोजक नरेश कासलीवाल ने बताया कि समारोह का मुख्य आकर्षण भारतीय कला संस्थान, ब्रज (डीग) के कलाकारों की प्रस्तुतियाँ रहीं। कलाकारों ने

'मयूर रास', 'लट्ठमार होली' और 'फूलों की होली' के माध्यम से राजस्थान और ब्रज की साझा संस्कृति को जीवंत कर दिया।

अतिथियों का सम्मान और दीप प्रज्वलन

मण्डल के अध्यक्ष महेश काला एवं मंत्री भानु छाबड़ा के अनुसार, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 'शाबास इण्डिया' समाचार पत्र के प्रकाशक श्री राकेश-समता गोदिका थे। दीप प्रज्वलन समाजसेवी श्री गजेन्द्र-सीमा पाटनी परिवार द्वारा किया गया। उपाध्यक्ष प्रदीप गोधा ने बताया कि मण्डल के पदाधिकारियों ने अतिथियों का तिलक, माला, दुपट्टा एवं पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

समाज के गणमान्य जनों की उपस्थिति

सह-संयोजक सुरेश भौंच एवं योगेश टोडरका ने बताया कि इस मांगलिक अवसर पर समाज के अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। इनमें मुख्य रूप से:

प्रशासनिक एवं न्यायिक: न्यायाधिपति नगेन्द्र कुमार जैन, शान्ति कुमार जैन (पूर्व आईपीएस), न्यायाधिपति नरेन्द्र कुमार जैन।

समाज श्रेष्ठी: नरेश कुमार सेठी, डॉ. विनोद शाह, सुनील बख्शी, राजेन्द्र के. शेखर, प्रवीण चन्द छाबड़ा, अशोक जैन ''नेता'', रमेश ठोलिया, सुभाष चन्द जौहरी।

राजनीतिक एवं सामाजिक: पार्षद पारस पाटनी, मनीष वैद्य, हेमन्त सौगात, सुधीर कुमार जैन, रुपिन काला, राकेश गोधा, रितेश पाटनी और मुकुल कटारिया।

ठंडाई और अल्पाहार के साथ समापन

कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा एवं स्टोर इंचार्ज शरद बाकलीवाल ने बताया कि ब्रज कलाकारों की प्रस्तुति के बाद सभी सदस्यों ने एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा कर होली की शुभकामनाएं दीं। अंत में सभी आगंतुकों ने ठंडाई और अल्पाहार का आनंद लिया।

@... पेज 7 पर

ब्रज की लट्ठमार होली और मयूर रास से महकी 'भट्टारक जी की नासियां', वीर सेवक मण्डल का भव्य आयोजन

जिनवाणी आत्मकल्याण का दिव्य मार्ग: प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। परमात्मा की वाणी ही संसार की सर्वोत्तम वाणी है। जिनवाणी केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि आत्मा को मोक्षमार्ग की दिशा देने वाला दिव्य मार्गदर्शन है। जो व्यक्ति श्रद्धा, विनय और समर्पण के साथ जिनवाणी को अपने जीवन में उतारता है, उसके लिए आत्मकल्याण का मार्ग सहज हो जाता है। यह विचार शांति भवन में शुक्रवार को आयोजित धर्मसभा में श्रमणसंघीय प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र की प्रथम गाथा का विवेचन करते हुए कहा कि विनय धर्म का मूल है। जहां विनय होता है, वहीं ज्ञान फलता है और वहीं से धर्म की सच्ची साधना प्रारंभ होती है। उन्होंने कहा कि धर्म वह पथ है, जिस पर चलकर मनुष्य अपने जीवन को पवित्र बना सकता है और आत्मा को उच्चतम लक्ष्य की ओर अग्रसर कर सकता है। धर्मसभा में डॉ. वरुण मुनि ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो साधक जिनेश्वर अरिहंत भगवान के वचनों के प्रति पूर्ण समर्पित हो जाता है, उसके लिए मोक्ष दूर नहीं रहता। उन्होंने कहा कि जब साधक की प्रत्येक सांस और रोम-रोम में जिनवाणी समा जाती है, तब उसका जीवन बाहर और भीतर दोनों ओर से जिनवचनों के प्रकाश से आलोकित हो जाता है। ऐसे व्यक्ति का चिंतन, आचरण और व्यवहार पूर्णतः धर्ममय हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि जिनवाणी के बिना आत्मा का सच्चा उद्धार संभव नहीं है। जो व्यक्ति जिनवाणी को केवल सुनता ही नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारकर स्वयं जिनवाणीमय बन जाता है, वही जीवन के वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर पाता है। इस अवसर पर अखिलेश मुनि एवं उपप्रवर्तिनी मंजूल ज्योति ने भी अपने भावपूर्ण भजनों और उपदेशों के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और आत्मचिंतन की प्रेरणा दी। शांति भवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। उन्होंने जानकारी दी कि शनिवार प्रातः प्रवर्तक सुकन मुनि, उपप्रवर्तक अमृत मुनि आदि ठाणा शांति भवन से विहार कर कुमुद विहार, सेक्टर-3 में कुलदीप सिंह डांगी के निवास पर पधारेंगे, जहां रविवार को आयोजित विशेष धर्मसभा को वे संबोधित करेंगे।

प्रवक्ता – सुनील चपलोत, मो. 9414730514 शांति भवन, भोपालगंज, भीलवाड़ा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

पदयात्रा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया 'जन औषधि' का संदेश

7 मार्च को होटल गोल्डन ट्यूलिप में होगा राज्य स्तरीय समारोह, उत्कृष्ट सेवा के लिए दिए जाएँगे पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया। देशभर में मनाए जा रहे 'जन औषधि सप्ताह' के अंतर्गत शुक्रवार को छठे दिन राजधानी जयपुर में एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा के माध्यम से आमजन को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूक किया गया।

रामनिवास बाग से अल्बर्ट हॉल तक पदयात्रा

पदयात्रा का शुभारंभ रामनिवास बाग गेट से हुआ, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए अल्बर्ट हॉल पहुँचकर संपन्न हुई। इस यात्रा में जयपुर शहर के 80 से अधिक जन औषधि केंद्रों के संचालकों और फार्मासिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पदयात्रा में जोधपुर के एसएमओ सौरभ भार्गव भी विशेष रूप से सम्मिलित हुए। प्रतिभागियों ने तख्तियों और नारों के माध्यम से लोगों को बताया कि जन औषधि केंद्रों पर मिलने वाली दवाइयाँ ब्रांडेड दवाओं के समान ही गुणवत्तापूर्ण और बेहद किफायती हैं। पीएमबीआई के राज्य नोडल प्रमुख दिव्यांशु शर्मा ने बताया कि सप्ताह के दौरान जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का भी आयोजन किया गया। इन शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क परामर्श, जाँच और दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं।

जन औषधि सप्ताह के समापन पर शनिवार (7 मार्च) सुबह 11 बजे एमआई रोड स्थित होटल गोल्डन ट्यूलिप में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सामाजिक सरोकारों और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जन औषधि केंद्र संचालकों को पुरस्कृत किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं खाद्य एवं औषधि विभाग के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा होंगे।

नेशनल एजुकेशन कॉन्क्लेव-बिजनेस लीडरशिप समिट : विजन 2030 में डॉ. नयन प्रकाश गांधी सम्मानित

नई दिल्ली में गेस्ट ऑफ ऑनर एवं मुख्य वक्ता के रूप में किया संबोधन, नेशनल अवॉर्ड से हुए सम्मानित

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

देश की राजधानी स्थित पांच सितारा होटल ली मेरिडियन के सभागार में आयोजित नेशनल एजुकेशन कॉन्क्लेव : विजन 2030 एजुकेशन एंड बिजनेस लीडरशिप समिट में कोटा के प्रख्यात पब्लिक पॉलिसी एक्सपर्ट, मैनेजमेंट एनालिस्ट एवं लीडरशिप कोच डॉ. नयन प्रकाश गांधी ने गेस्ट ऑफ ऑनर और मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में उन्हें नेशनल अवॉर्ड फॉर बेस्ट एनएलपी करियर लीडरशिप कोच से सम्मानित किया गया। सम्मेलन सचिव डॉ. सुमित्रा सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षा, कौशल विकास और उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रम जैसे विषयों पर व्यापक मंथन किया गया। डॉ. गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के पास विश्व का सबसे बड़ा युवा जनसांख्यिकीय लाभांश है। यदि विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और उद्योग जगत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन 2030 और दीर्घकालीन 2047 के लक्ष्य के अनुरूप सामूहिक नेतृत्व के साथ कार्य करें, तो भारत पुनः वैश्विक स्तर पर ज्ञान और नवाचार का प्रमुख केंद्र बन सकता है। अपने प्रस्तुतीकरण में डॉ. गांधी ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और पीएम सेतु योजना की सराहना करते हुए भारत को डेमोग्राफिक डिविडेंड से स्किल डिविडेंड की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए तीन महत्वपूर्ण नीतिगत सुझाव दिए। उन्होंने जिला कौशल कंसोर्टियम की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसके अंतर्गत स्थानीय उद्योग, आईटीआई और शैक्षणिक संस्थान मिलकर रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम तैयार करें। साथ ही गांवों के डिजिटलीकरण के लिए 10 लाख युवाओं की डिजिटल आर्मी बनाने तथा यूनिवर्सल स्किल पासपोर्ट के माध्यम से युवाओं के कौशल और कार्य अनुभव को डिजिटल क्रेडिट प्रणाली में दर्ज करने का सुझाव दिया। उनके थ्री-पिलर मॉडल को शिक्षाविदों और नीति विशेषज्ञों ने सराहा तथा इसे शिक्षा मंत्रालय तक ड्राफ्ट पॉलिसी के रूप में भेजने की पहल का संकेत दिया। कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रणव कुमार, नेशनल स्मॉल इंडस्ट्री कॉरपोरेशन के जोनल हेड, जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस के डॉ. तपन कुमार नायक, भाजपा सीए प्रकोष्ठ नई दिल्ली के चेयरमैन सीए डी.डी. अग्रवाल, भाजपा नई दिल्ली (एमवी) के उपाध्यक्ष एड. मोहित शर्मा, डॉ. अमित भारद्वाज (निदेशक, सीपीजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन), डॉ. नैनसी जुनेजा (सीईओ, मेंटोर एक्स), सूर्यकांत सारथी राय, डॉ. अनूप मित्तल सहित देशभर के शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ, स्टार्टअप इनोवेटर और युवा उद्यमी उपस्थित रहे। यह सम्मेलन एजुकेशन डेवलपमेंट रिसर्च एंड सीएसआर रिसर्च फाउंडेशन, स्कॉटिश हाइलैंड्स यूनिवर्सिटी (यूके) तथा फेम फाइंडर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग, कौशल विकास में नवाचार और उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रम जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

अष्टद्रव्य से पूजन आत्मशुद्धि और कर्मों के क्षय का मार्ग: आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भीलवाड़ा के बापू नगर स्थित पदमप्रभु मंदिर में तीन दिवसीय धर्म प्रभावना संपन्न

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। बापू नगर स्थित श्री पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान भक्तिभाव के साथ संपन्न हुए। इस दौरान माताजी के मंगल प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को धर्म और वैराग्य की राह दिखाई।

द्रव्य और भाव पूजा का महत्व

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा कि अष्टद्रव्य से पूजन करना केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं में भगवान के गुणों को विकसित करने की प्रक्रिया है। उन्होंने जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीप, धूप और फल–इन अष्टद्रव्यों के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि इनके माध्यम से की गई पूजा आत्मशुद्धि और कर्मों की निर्जरा का कारण बनती है। माताजी ने कहा, बाहरी सामग्री के साथ जब आंतरिक भावनाएं (भाव पूजा) जुड़ती हैं, तभी अहिंसा और वैराग्य का विकास होता है। नित्य मंदिर में पूजन करने से जीव मोक्ष फल की प्राप्ति की ओर अग्रसर होता है।

क्षमा और वात्सल्य का संदेश

आर्यिका श्री ने सामाजिक समरसता पर बल देते हुए कहा कि मनुष्य को निस्वार्थ भाव से एक-दूसरे के प्रति वात्सल्य रखना चाहिए। वीतरागी प्रभु के समान मार्ग पर चलने के लिए सभी को क्षमा करना और स्वयं की भूलों के लिए क्षमा मांगना आवश्यक है। इसी संयम और योग से कर्मों का क्षय संभव है।

सिद्धचक्र विधान राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी का भव्य समापन: ज्ञान, साधना और समाज की एकता का संगम

रथयात्रा महामहोत्सव और विश्वशांति महायज्ञ की सफलता से कानपुर में बढ़ी जिनधर्म की प्रभावना

कानपुर. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी कानपुर के सीसामऊ स्थित श्री दिगम्बर जैन 1008 सहस्त्रफणी पारसनाथ धाम में आयोजित 'सिद्धचक्र विधान' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी का समापन हुआ। भगवान श्रेयांसनाथ जैन स्टडीज फंड (बीएचयू, वाराणसी) एवं प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस संगोष्ठी ने जैन दर्शन, मंत्र-विज्ञान और अध्यात्म पर गहन मंथन का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

विद्वानों का वैचारिक मंथन

संगोष्ठी में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्वानों ने सिद्धचक्र विधान के दार्शनिक और साधनात्मक पक्षों पर शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किए। विद्वानों ने स्पष्ट किया कि सिद्धचक्र विधान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और कर्मक्षय का प्रभावशाली साधन है।

प्रमुख वक्ता एवं शोधकर्ता

इस बौद्धिक विमर्श में प्रो. कमलेश जैन (वाराणसी), डॉ. जयकुमार जैन (मुजफ्फरनगर), डॉ. धर्मेंद्र जैन, डॉ. अनिल जैन (जयपुर), डॉ. आशीष जैन आचार्य (शाहगढ़), डॉ. आनंद जैन (वाराणसी), डॉ. शैलेश जैन (उदयपुर) और डॉ. सुनील जैन 'संचय' (ललितपुर) सहित अनेक विद्वानों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

धार्मिक अनुष्ठान और रथयात्रा की धूम

यह संगोष्ठी मंदिर के द्वितीय वार्षिक रथयात्रा महामहोत्सव और सिद्धचक्र महामण्डल विधान के मंगलमय वातावरण में सम्पन्न हुई। प्रतिष्ठाचार्य सुमत जैन शास्त्री के निर्देशन में आयोजित इस अनुष्ठान में राजमाता श्रीमती निर्मला देवी जैन (कत्थे वाले) की विशेष प्रेरणा रही। कार्यक्रम के दौरान सौधर्म इन्द्र, कुबेर इन्द्र, मैना सुन्दरी-श्रीपाल और अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों के रूप में पुण्यार्जक परिवारों ने श्रद्धापूर्वक आहुतियाँ दीं।

प्रशासनिक और सामाजिक सहयोग

आयोजन की सफलता में मंदिर समिति के अध्यक्ष पारस कुमार जैन, मंत्री अनिल कुमार जैन और कोषाध्यक्ष सुनील कुमार जैन का विशेष योगदान रहा। समिति ने प्रतिष्ठाचार्य, संगीतकारों, कलाकारों और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में अनिल जैन, अमोद जैन, मोहित जैन, शैलेन्द्र जैन और संजय जैन सहित समाज के अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि कानपुर जैन समाज की यह एकता और समर्पण भावना ही जिनधर्म की प्रभावना को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का आधार है। **प्रस्तुतिः डॉ. आशीष जैन 'आचार्य'**

चाँदखेड़ी में होगा दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन

जबलपुर/चाँदखेड़ी. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन 12 अप्रैल 2026 (रविवार) को राजस्थान के प्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र चाँदखेड़ी में आयोजित किया जाएगा। इस भव्य समारोह में देशभर के लगभग 350 जैन सोशल ग्रुपों के 500 से अधिक प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे।

सम्मान और प्रोग्रेस रिपोर्ट

फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन ने बताया कि अधिवेशन में वर्ष 2025 के दौरान ग्रुपों द्वारा किए गए उत्कृष्ट सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों के आधार पर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए फेडरेशन द्वारा शीघ्र ही 'प्रोग्रेस रिपोर्ट' प्रपत्र भेजा जाएगा, जिसके आधार पर अवार्ड्स का निर्धारण होगा। साथ ही, आकर्षक 'स्क्रैप बुक' तैयार करने वाले ग्रुपों को भी विशेष सम्मान दिया जाएगा।

नेतृत्व की शुभकामनाएं

राष्ट्रीय मीडिया संयोजक नितिन जैन के अनुसार, संगठन के शिरोमणि संरक्षक श्रीमती पुष्पा-प्रदीप जैन कासलीवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर जैन झांझरी, महासचिव विनय जैन, कोषाध्यक्ष अश्विन कासलीवाल एवं निवर्तमान अध्यक्ष राकेश विनायका ने सभी सदस्यों को होली एवं रंगपंचमी की शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। उन्होंने सभी ग्रुप अध्यक्षों से समय रहते अपनी गतिविधियों का संकलन तैयार करने का अनुरोध किया है।

अष्ट द्रव्य से पूजन करने से आत्मशुद्धि और कर्मों का क्षय होता है : आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। बापू नगर स्थित श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में तीन दिवसीय धर्म प्रभावना का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी ने कहा कि अष्ट द्रव्य से पूजन करने से आत्मशुद्धि होती है, कर्मों का क्षय होता है और भगवान के गुणों को स्वयं में विकसित करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि यह पूजन केवल बाहरी सामग्री का उपयोग नहीं है, बल्कि आंतरिक भावनाओं और भक्ति के साथ किया गया भाव पूजन है, जो वैराग्य और अहिंसा को विकसित करने की पवित्र प्रक्रिया है। माताजी ने जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीप, धूप और फल सहित अष्ट द्रव्यों के महत्व को बताते हुए कहा कि नित्य मंदिर में श्रद्धा और भक्ति से पूजन करने से मोक्षमार्ग की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश देते हुए कहा कि सभी को निस्वार्थ भाव से एक-दूसरे के साथ वात्सल्य रखना चाहिए, सभी को क्षमा करना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर क्षमा मांगने में भी संकोच नहीं करना चाहिए। वीतराग प्रभु के समान संयम और साधना के मार्ग पर चलकर व्यक्ति अपने कर्मों की निर्जरा कर सकता है। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि शुक्रवार सायंकाल 4:30 बजे बापू नगर दिगंबर जैन मंदिर से विहार कर आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी ससंघ का श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, न्यू हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर में मंगल प्रवेश होगा।

कारोई में श्री सांवरिया हनुमान मंदिर का छठा पाटोत्सव 8 मार्च से, भजनों की स्वरलहरियां बिखेरेंगे कन्हैया मित्तल

चार दिवसीय भव्य मेले और छप्पन भोग का होगा आयोजन, महंत बाबूगिरी जी महाराज के सानिध्य में तैयारियाँ पूर्ण

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जिले के सुप्रसिद्ध और एकमात्र लेटे हुए हनुमानजी की प्रतिमा वाले श्री सांवरिया हनुमान मंदिर, कारोई का छठा पाटोत्सव 8 से 11 मार्च तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मंदिर के महंत बाबूगिरी जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित होने वाले इस चार दिवसीय महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में भव्य मेले और धार्मिक अनुष्ठानों का संगम देखने को मिलेगा।

कन्हैया मित्तल की भजन संध्या होगी मुख्य आकर्षण

गुरुवार शाम संकटमोचन हनुमान मंदिर में आयोजित पत्रकार वार्ता में महंत श्री और मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा साझा की। ट्रस्ट अध्यक्ष नटराज सिंह कारोई ने बताया कि **मेला उद्घाटन:** 8 मार्च, सुबह 10:00 बजे।

श्री श्याम बालाजी संकीर्तन: 8 मार्च, शाम 7:15 बजे। इस संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल (चंडीगढ़) अपनी प्रस्तुति देंगे।

साथ ही सोनू विश्नोई (भीलवाड़ा) और दीपांशी तिवारी (कानपुर) भी भक्ति भजनों से श्रोताओं को सराबोर करेंगे।

मुख्य आयोजक: रामनारायण अनिल कुमार अजमेरा परिवार (पहुना) एवं सहयोगी नारायण (पिंटू) मोदी परिवार।

संगीतमय सुंदरकांड और छप्पन भोग

मंदिर व्यवस्थापक शिव समदानी के अनुसार, पाटोत्सव के मुख्य दिवस 11 मार्च को विशेष आयोजन होंगे। **सुबह 10:00 बजे:** श्री बालाजी सत्संग मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ। **दोपहर 12:00 बजे:** भगवान को भव्य छप्पन भोग का अर्पण एवं महाआरती।

समापन: महाप्रसाद वितरण के साथ महोत्सव का समापन होगा।

भक्तों में भारी उत्साह

महंत बाबूगिरी जी महाराज ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा

कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज का हर वर्ग और समस्त ग्रामवासी एकजुट हैं। हजारों की संख्या में जुटने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक स्तर पर सुरक्षा और बैठने की व्यवस्था की जा रही है। पत्रकार वार्ता में श्याम बालाजी संकीर्तन मित्र मंडल के सदस्य कुंदनगिरी गोस्वामी, संदीप जोशी, दीपक विजयवर्गीय, वैभव डांगी, प्रवीण सेन और मीडिया प्रभारी विकास त्रिपाठी सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

कानपुर में प्रथम राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी संपन्न

सिद्धचक्र विधान के दार्शनिक पक्षों पर हुआ मंथन

विद्वानों को 'स्याद्वाद वाचस्पति' और 'शिखर गौरव' जैसी उपाधियों से किया गया अलंकृत

कानपुर. शाबाश इंडिया। सीसामऊ स्थित सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ धाम में ''सिद्धचक्र विधान'' पर आधारित प्रथम दो दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी (28 फरवरी - 1 मार्च 2026) श्रद्धा और गरिमा के साथ संपन्न हुई। भगवान श्रेयांसनाथ जैन स्टडीज फंड (बीएचयू) एवं प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने आगम, मंत्र-विज्ञान और कर्म-सिद्धांत पर गहन शोधपत्र प्रस्तुत किए।

प्रमुख शोध एवं व्याख्यान

संगोष्ठी में डॉ. जयकुमार जैन ने मंत्रोच्चार की शुद्धता, प्रो. कमलेश जैन ने कर्म प्रकृति की वैज्ञानिकता और डॉ. अनिल जैन ने आध्यात्मिक वैशिष्ट्य पर प्रकाश डाला। साथ ही डॉ. धर्मेंद्र जैन (रिद्धि महत्व), डॉ. आशीष जैन 'आचार्य' (सिद्ध स्वरूप), डॉ. आनंद जैन (भक्ति महत्व) और डॉ. शैलेश जैन ने विधान की उपयोगिता पर विचार रखे। ललितपुर के डॉ. सुनील जैन 'संचय' ने श्रीपाल-मैना सुंदरी चरित्र के आगम परिप्रेक्ष्य को रेखांकित किया, वहीं सुमित जैन शास्त्री ने संस्कृत व हिंदी विधानों की भाषायी विशेषताओं को साझा किया।

सम्मान एवं अलंकरण

समिति द्वारा प्रो. कमलेश कुमार जैन को स्याद्वाद वाचस्पति, प्रो. जयकुमार जैन को शिखर गौरव तथा पंडित सुमित जैन शास्त्री को युवा प्रज्ञा पुंज की उपाधि से विभूषित किया गया। अध्यक्ष पारस कुमार जैन, मंत्री अनिल जैन एवं कोषाध्यक्ष सुनील जैन ने सभी विद्वानों का तिलक, माला व स्मृति-चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान ब्र. बीरेन्द्र भैया के निर्देशन में आए 'आचार्य विद्यासागर संग्रहालय रथ' का भी भव्य स्वागत किया गया।

प्रस्तुति: डॉ. सुनील जैन 'संचय'

एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय एकता शिविर में उत्साहपूर्वक लिया भाग

शाबाश इंडिया। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह शिविर हिमाचल प्रदेश स्थित महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी-अपनी संस्कृति, परंपराओं और भाषाओं का आदान-प्रदान किया। इस दौरान संस्कृत भाषा के माध्यम से सांस्कृतिक संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश भी प्रसारित किया गया। महाविद्यालय की ओर से स्वयंसेविका नंदिनी जैन तथा स्वयंसेवक निधिश सोनी, वैभव खांडल, जतिन शर्मा, अमन मीणा और ललित कुमार ने शिविर में भाग लेकर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेनू जोशी ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उन्हें विविधता में एकता की भावना को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करते हैं। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को विभिन्न राज्यों की संस्कृति, भाषा और जीवनशैली को निकट से जानने और समझने का अवसर मिला, जो उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होगा।

जिनेन्द्र भगवान की अर्चना करना एक औषधि है: आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी

मंगल प्रवेश पर आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने आर्यिका श्रुतमति माताजी की चरण वंदना की

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में भारत गौरव गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी संघ का निवाई शहर में गाजे-बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। निवाई पहुंचने से पूर्व आर्यिका माताजी ने पदमपुरा से मंगल विहार कर चाकसू, विज्ञा तीर्थ गुन्सी और मुंडिया होते हुए शुक्रवार को निवाई में प्रवेश किया, जहां श्रद्धालुओं ने उनका भावपूर्ण स्वागत किया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि आर्यिका माताजी का विहार जमात क्षेत्र, राधा दामोदर सर्किल और पुलिस लाइन होते हुए संत निवास जैन नसियां मंदिर तक हुआ। यहां विराजमान आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका सुबोधमति माताजी संघ के चरणों में आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने चरण वंदना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन नसियां मंदिर में महावीर प्रसाद पराणा, हुकमचंद जैन, महावीर प्रसाद छाबड़ा, नवरत्न टोंग्या, राजेंद्र सेदरिया, सुनील चेनपुरा, दिनेश चंवरिया, हितेश छाबड़ा, शंभु कठमाणा, विमल पाटनी, राधेश्याम मित्तल, पारसमल चेनपुरा, त्रिलोक रजवास, विमल सोगानी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन कर माताजी की अगुवानी की। इस अवसर पर सरावगी समाज महिला अध्यक्ष अनिता छाबड़ा, दिगंबर जैन महासमिति महिला मंत्री शकुंतला छाबड़ा, प्रकोष्ठ मंत्री संजू जौंला, उर्मिला सोगानी, संगीता संधी, मेना सोगानी, पिंकी कठमाणा, हेमा बनेठा, सुमन सोगानी, मोना पाटनी, निशा झांझरी, स्वाति सोगानी, पिंकी सोगानी, विजया टोंग्या, सीमा सेदरिया सहित अनेक महिलाओं ने भी माताजी का स्वागत किया। इसके पश्चात जैन नसियां मंदिर से मंगल विहार करते हुए आर्यिका माताजी अहिंसा सर्किल और भगवान महावीर मार्ग से होते हुए श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचीं, जहां श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने कहा कि जो व्यक्ति जितना कर्म कर सकता है, उतना ही धर्म भी कर सकता है। जो कर्म में परिश्रमी होता है, वह धर्म में भी अग्रणी रहता है, और जो कर्म में प्रमादी होता है, वह धर्म में भी प्रमादी ही रहता है। जब भेद-विज्ञान रूपी दीपक प्रज्वलित हो जाता है, तब विभाव की प्रवृत्ति स्वभाव में परिवर्तित हो जाती है। माताजी ने कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन से देव, शास्त्र और गुरु की भक्ति करता है, उसके कार्य स्वतः सिद्ध होने लगते हैं। उन्होंने कहा कि जिनेन्द्र भगवान की अर्चना करना एक औषधि के समान है, इससे बड़ी कोई औषधि नहीं है। सबसे पहले व्यक्ति को अपने स्वभाव तथा देव-शास्त्र-गुरु पर दृढ़ विश्वास रखना चाहिए और भगवान की वाणी पर श्रद्धा रखनी चाहिए। राजस्थान जैन सभा के हितेश छाबड़ा एवं राकेश संधी ने बताया कि 7 मार्च को प्रातः 8:15 बजे श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं सुबोधमति माताजी के सानिध्य में विधिवत पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ सप्तऋषि प्रतिमा की स्थापना की जाएगी।

जैन सोशल ग्रुप मेट्रो के "रंगीलों फागण" उत्सव में फूलों की होली की धूम

संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन का "जिन शासन गौरव" उपाधि मिलने पर हुआ भव्य अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव सेवा में अग्रणी जैन सोशल ग्रुप मेट्रो द्वारा मुहाना मंडी रोड स्थित एक रिसोर्ट में होली मिलन समारोह ''फागोत्सव - रंगीलों फागण आयो रे'' का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक णमोकार मंत्र और भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और फूलों की होली

अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल माधोराजपुरा एवं सचिव सुशील जैन टोडारायसिंह ने बताया कि संस्थापक अध्यक्ष विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव में दंपति सदस्यों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया। महिलाओं ने गुलाबी साड़ी और पुरुषों ने सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा की। समारोह में सदस्यों ने 'होलिया में उड़े रे गुलाल' और 'रंग बरसे' जैसे प्रसिद्ध गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए।

विशेष सम्मान और प्रतियोगिताएं

कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा को अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज द्वारा 'जिन शासन गौरव' उपाधि से विभूषित किए जाने पर ग्रुप की ओर से उनका भव्य अभिनंदन किया गया। प्रतियोगिताओं के क्रम में रेखा पाटनी को 'फाल्गुन की रानी' के खिताब से नवाजा गया।

अणुबम में नहीं, अणुव्रत में निहित है विश्व शांति: महावीर इंटरनेशनल

युद्ध की विभीषिका मानवता के लिए घातक, अमेरिका और ईरान से शांति की अपील

जयपुर. शाबाश इंडिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तृतीय विश्व युद्ध की आशंकाओं के बीच महावीर इंटरनेशनल द्वारा 'ई-चौपाल' के माध्यम से एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में वक्ताओं ने 'अणुबम' (परमाणु बम) के स्थान पर 'अणुव्रत' के सिद्धांतों को अपनाने पर जोर दिया। इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया ने बताया कि युद्ध की विभीषिका से आम आदमी को बचाने के लिए संस्था द्वारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सभी जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन सौंपे जाएंगे। इन ज्ञापनों के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र संघ के हस्तक्षेप और विश्व शांति के सार्थक प्रयासों की मांग की जाएगी।

अणुव्रत ही है शांति का आधार

गोष्ठी में विमला रांका ने आचार्य तुलसी के सिद्धांतों का स्मरण कराते हुए कहा कि विश्व शांति अणुबम की शक्ति में नहीं, बल्कि 'अणुव्रत' के छोटे-छोटे संकल्पों में निहित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मनुष्य के विचारों में अहिंसा और संयम नहीं होगा, तब तक स्थाई शांति संभव नहीं है। गोष्ठी के दौरान सुमेर सिंह कर्णावत, संजय बेद, महेश कुमार मूंड, राजेंद्र सिंह राठौड़, भुवनेश्वरी मालोत, डॉ. एन. एस. नरूका, पृथ्वीराज जैन, विजया चौधरी तथा आशा सांभर ने एकजुट होकर अमेरिका और ईरान से शांति बनाए रखने की अपील की। वक्ताओं ने तंज कसते हुए कहा, जब सब कुछ बर्बाद करने के बाद अंततः 15-20 दिनों में शांति वार्ता और युद्ध विराम ही करना है, तो यह विवेक पहले ही क्यों नहीं दिखाया जाता? मानवता को विनाश से बचाना ही इस समय विश्व शक्तियों का प्राथमिक दायित्व होना चाहिए।

निंबाहेड़ा के प्रतीक जोशी ने लहराया सफलता का परचम, यूपीएससी परीक्षा में 196वीं रैंक

क्षेत्र और गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज में हर्ष की लहर, युवाओं के लिए बने प्रेरणा

नाथद्वारा/उदयपुर. शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा नगर के होनहार युवक प्रतीक जोशी ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 196वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। प्रतीक की इस ऐतिहासिक सफलता से उनके परिवार सहित पूरे निंबाहेड़ा और गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज में गौरव व उत्साह का माहौल है। प्रतीक जोशी जेके सीमेंट वर्क्स के

सेवानिवृत्त अधिकारी प्रमोद जोशी के सुपुत्र हैं। वे सेवानिवृत्त राजस्व अधिकारी नाथूलाल तिवारी एवं शान्ता देवी तिवारी के दोहित्र तथा निंबाहेड़ा नगर पालिका की पूर्व पार्षद रेखा रानी तिवारी और प्रमोद तिवारी के भांजे हैं। प्रतीक की यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि यदि लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प, कठोर परिश्रम और सच्ची लगन हो, तो सफलता निश्चित रूप से कदम चूमती है।

उज्ज्वल भविष्य की कामना

उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर क्षेत्र के प्रबुद्धजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। विश्वास जताया जा रहा है कि प्रतीक प्रशासनिक सेवा में उच्च पदों पर आसीन होकर समाज और राष्ट्र के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उनकी यह सफलता क्षेत्र के अन्य प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए भी एक बड़ा प्रेरणा स्रोत बनेगी।

रिपोर्ट:
नरेश शर्मा, उदयपुर

विद्या भवन ने केवल विद्यार्थी नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार किए: गुलाब चंद कटारिया

पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक ने विद्या भवन कर्मचारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को किया संबोधित

उदयपुर. शाबाश इंडिया

विद्या और संस्कारों की समृद्ध परंपरा के लिए विख्यात विद्या भवन संस्थान में आयोजित 'विद्या भवन सोसायटी कर्मचारी संघ' के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक महामहिम गुलाब चंद कटारिया ने संस्थान की गौरवशाली विरासत को नमन किया। उन्होंने कहा कि विद्या भवन केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाली एक आदर्श संस्था है, जिसने देश को कई महान नेतृत्वकर्ता और शिक्षाविद दिए हैं।

संस्थापक डॉ. मोहन सिंह मेहता के विजन को किया याद

अपने संबोधन में महामहिम भावुक हो उठे और स्वयं को संस्थान का एक गौरवान्वित पूर्व छात्र बताया। उन्होंने कहा कि संस्थापक डॉ. मोहन सिंह मेहता की दृष्टि अत्यंत दूरदर्शी थी। उनकी शिक्षा प्रणाली केवल पाठ्यक्रमों तक सीमित न होकर संस्कार, सामाजिक समानता और जिम्मेदारी पर आधारित थी। इस अवसर पर महामहिम ने डॉ. मेहता की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बने रहेंगे।

समानता और अनुशासन का अनुपम केंद्र

अपने छात्र जीवन और छात्रावास के दिनों को याद करते हुए महामहिम ने एक प्रेरक प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि उनके समय में मुख्यमंत्री का पुत्र भी सामान्य विद्यार्थियों के साथ एक ही कक्षा में पढ़ता था। यह इस बात का प्रमाण है कि विद्या भवन में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। उन्होंने कहा कि छात्रावास में मिले अनुशासन और आत्मनिर्भरता के पाठ ने ही उनके व्यक्तित्व का निर्माण किया है।

मेवाड़ के त्याग और राष्ट्र निर्माण की चर्चा

महामहिम ने मेवाड़ की महान परंपरा, पन्नाधाय के बलिदान और भामाशाह के सहयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि सकारात्मक सोच के साथ किए गए कार्यों में आज भी समाज का भरपूर सहयोग मिलता है। उन्होंने देश के पूर्व शिक्षा मंत्री कालूलाल श्रीमाली और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को आचरण की पवित्रता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

नवाचार और खेल अकादमी की घोषणा

कार्यक्रम के दौरान विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक राजेन्द्र भट्ट ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि संस्थान में शीघ्र ही एक आधुनिक स्पोर्ट्स अकादमी प्रारंभ की जाएगी। वहीं, उपाध्यक्ष भगवत सिंह बाबेल ने संस्थान की समावेशी शिक्षा पद्धति पर प्रकाश डाला।

कर्मचारी संघ का शपथ ग्रहण

समारोह में कर्मचारी संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति निष्ठा और संस्थान की उन्नति के लिए समर्पित रहने की शपथ ली। कार्यक्रम में संरक्षक प्रो. हेमेन्द्र सिंह चण्डालिया, सलाहकार दीपक शर्मा सहित विभिन्न संस्था प्रधान और गणमान्य जन उपस्थित रहे। अंत में संयोजक सुधीर कुमावत, महामंत्री नंदकिशोर छीपा और अध्यक्ष फिरोज खान ने सभी का आभार व्यक्त किया। यह समारोह केवल एक पदभार ग्रहण कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्या भवन की उस विरासत का उत्सव रहा जो दशकों से बेहतर इंसान और जिम्मेदार नागरिक गढ़ने का कार्य कर रही है।

रिपोर्ट/फोटो:
राकेश शर्मा 'राजदीप'

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, नारी शक्ति का हुआ अभिनंदन

कोटा. शाबाश इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। क्लब की सदस्य बीना त्यागी के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में नारी शक्ति के त्याग, समर्पण और समाज में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया गया।

सम्मान और विचार साझाकरण

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्लब प्रेसिडेंट प्रमिला पारीक ने महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। इस दौरान उन्होंने क्लब की सभी महिला सदस्यों को उनके निरंतर सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया।

तिलक लगाकर किया गया अभिनंदन

क्लब सचिव रजनी अरोड़ा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत आई.पी.पी. सरिता भूटानी और बीना त्यागी द्वारा सभी उपस्थित महिलाओं के मस्तक पर शुभ तिलक लगाकर की गई। समारोह में सरोज गुप्ता और सुशीला मित्तल ने भी सदस्यों को सम्मानित करने में सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रमुख उपस्थिति

इस अवसर पर डॉ. वीनू बावेजा, मंजू साहनी, विद्या गर्ग, मोनिका गर्ग, मधु बाहेती, रजनी और शिखा अग्रवाल सहित क्लब की अनेक गणमान्य सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी ने एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा किए और समाज सेवा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

रिपोर्ट:
आजाद शेरवानी

स्वयं सुरक्षित तो परिवार सुरक्षित, सुरक्षा को दें सर्वोच्च प्राथमिकता: शिखा अग्रवाल

कोटा थर्मल में 55वाँ अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस संपन्न, जीवंत प्रदर्शन और प्रदर्शनी से किया जागरूक

कोटा. शाबाश इंडिया

कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन में 55वाँ अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस सुरक्षा और स्वास्थ्य - विकसित भारत के लिए अनिवार्य के मूल विचार के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्रीमती शिखा अग्रवाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा को जीवन का अटूट हिस्सा बनाने का आान किया।

सुरक्षा ध्वजारोहण और शपथ ग्रहण

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती शिखा अग्रवाल द्वारा सुरक्षा ध्वज फहराकर किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और अनुबंधित श्रमिकों को कार्यस्थल पर 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुरक्षा शपथ दिलाई। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता शैलेंद्र सिंह, उप मुख्य अभियंता के.पी. ओझा, अशोक चालाना, उप समादेष्टा टी. हॉकिप और मुख्य लेखाधिकारी शिवचरण गुर्जर सहित वरिष्ठ अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जीवंत प्रदर्शन और उपकरणों की प्रदर्शनी

अग्निशमन विभाग के कर्मियों द्वारा आग पर काबू पाने और आपातकालीन स्थितियों से निपटने का जीवंत प्रदर्शन दिया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों और अग्निशमन यंत्रों की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

सुरक्षा संस्कृति विकसित करने पर जोर

मुख्य अभियंता ने अपने संबोधन में कहा, सुरक्षा केवल नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि इसे एक संस्कार के रूप में विकसित करना है। हम अक्सर सुरक्षा को हल्के में लेते हैं, लेकिन यह याद रखना आवश्यक है कि आपकी सुरक्षा से ही आपके परिवार की सुरक्षा जुड़ी है। कार्यस्थल हो या घर, सुरक्षा उपकरणों और दिशा-निर्देशों की अनदेखी कभी न करें। उन्होंने 'शून्य दुर्घटना' को अपना प्राथमिक लक्ष्य बनाने पर जोर दिया।

पर्यावरण संरक्षण और जैविक खाद का प्रशिक्षण

सुरक्षा के साथ-साथ श्रीमती अग्रवाल ने पर्यावरण बचाने का भी संदेश दिया। उन्होंने स्वयं प्रायोगिक प्रदर्शन देकर घरेलू कचरे से जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया, जो सभी उपस्थित जनों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। कारखाना प्रबंधक के.पी. ओझा ने कर्मचारियों को सदैव सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग हेतु प्रेरित किया और स्वरचित सुरक्षात्मक कविता प्रस्तुत की।

विजेता प्रतिभागी पुरस्कृत

सप्ताह के दौरान आयोजित सुरक्षा दौड़, चित्रकला और नारा लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अभियंता द्वारा पुरस्कृत किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता बलजीत सिंह चौधरी, सुभाष चन्द्र चौधरी, संजय जोशी, धर्मेंद्र माहेश्वरी, अधिशासी अभियंता (अग्निशमन) दिनेश बंसल सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

उज्जैन में 29 मार्च को होगा जैन पत्रकार अवार्ड समारोह, देशभर के मीडियाकर्मी होंगे सम्मानित

मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार आयोजित होगा भव्य प्रांतीय सम्मेलन, आचार्य विश्वरत्न सागर सूरीश्वर का मिलेगा सानिध्य

उज्जैन (मध्य प्रदेश). शाबाश इंडिया। पौराणिक एवं धार्मिक नगरी उज्जैन में आगामी 29 मार्च 2026 को 'जैन पत्रकार परिषद' द्वारा भव्य जैन पत्रकार अवार्ड समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया जाएगा। मध्य प्रदेश के इतिहास में इस तरह का यह पहला आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न प्रांतों के जैन पत्रकारों की प्रतिभा और उनके योगदान का सम्मान किया जाएगा। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं वरिष्ठ पत्रकार पारस जैन 'पार्श्वमणि' ने जानकारी देते हुए बताया कि यह गरिमामयी आयोजन आचार्य विश्वरत्न सागर सूरीश्वर जी महाराज साहब के पावन सानिध्य एवं निर्देशन में संपन्न होगा। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य जैन समाज की सेवा में जुटे पत्रकारों को प्रोत्साहित करना और जैन पत्रकारिता के स्तर को और अधिक सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में देश भर से दिग्गज जैन पत्रकार और विद्वान सम्मिलित होंगे।

जैन पत्रकार परिषद की भूमिका

जैन पत्रकार परिषद भारत में जैन मीडिया कर्मियों का सबसे बड़ा संगठन है, जो निरंतर समाज और राष्ट्र के बीच सेतु का कार्य कर रहा है। यह आयोजन परिषद की सक्रियता और पत्रकारों के प्रति उसके समर्पण का प्रमाण है। यह भव्य समारोह उज्जैन स्थित श्री केसरियानाथ महातीर्थ परिसर, खारा कुआं, श्रीपाल मार्ग पर आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति ने सभी संबंधित पत्रकारों से इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने का आग्रह किया है।

विशेष जानकारी हेतु संपर्क : दीपक दुगड (मो. 8225910001)
प्रस्तुतिः पारस जैन 'पार्श्वमणि', राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी (मो. 9414764980)

विश्व महिला दिवस पर सात दिवसीय विशेष महिला स्वास्थ्य जाँच शिविर का आगाज

ओसवाल सभा और आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर की पहल; मात्र 499/- रुपये में होंगी महत्वपूर्ण जाँचें

उदयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में नारी शक्ति के स्वास्थ्य को समर्पित विशेष जाँच अभियान का आगाज शुक्रवार को पोस्टर विमोचन के साथ हुआ। ओसवाल सभा एवं आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में यह शिविर 8 से 14 मार्च 2026 तक चेतक सर्कल स्थित माधव चैम्बर्स में आयोजित किया जाएगा। ओसवाल सभा के अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी ने बताया कि यह शिविर उनकी पूजनीय माताजी स्व. पान बाई कोठारी की पुण्य स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। 'क्वीन्स हेल्थ प्रोफाइल' के तहत सीबीसी, थायराइड, लिपिड प्रोफाइल, विटामिन इ12 और कैल्शियम जैसी आवश्यक जाँचें मात्र 499/- रुपये में उपलब्ध होंगी। यह रियायत प्रथम 300 पंजीकरणों के लिए ही मान्य है। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विजय कुमार पुरोहित द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। साथ ही डॉ. अभिजीत सेठिया एवं डॉ. रीतिका बघेला द्वारा दांतों की 'लाइव स्क्रीन' जाँच भी की जाएगी। सचिव डॉ. प्रमिला जैन ने बताया कि इच्छुक महिलाएँ मो. 9929136813 पर 7 मार्च शाम 5 बजे तक अग्रिम पंजीकरण करा सकती हैं। जाँच हेतु लाभार्थियों को रिक्त पेट (भूखे पेट) आना अनिवार्य है।

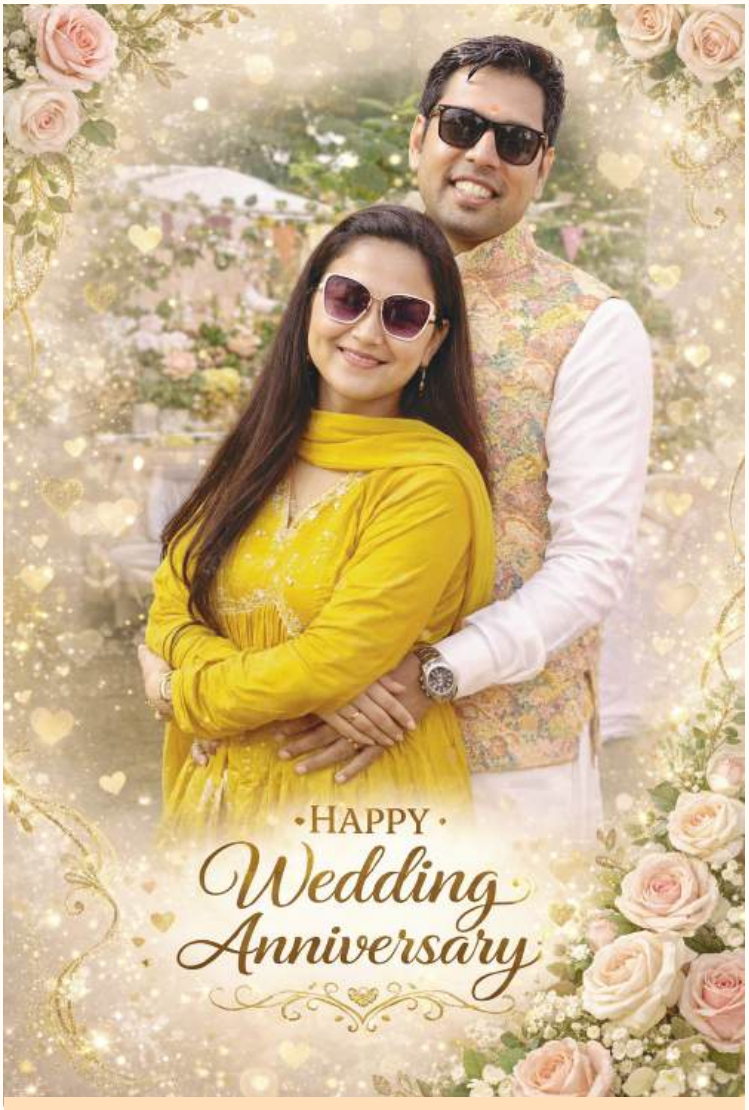

श्री पराग-श्रीमती नैंसी जैन

को सुखद वैवाहिक जीवन का एक दसक पूर्ण करने पर बहुत-बहुत

बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

मित्रा परिवार

सुनील-डॉ सोनल बिलाला,
पंकज-नीना पाटनी
मैकीन-प्रिया गोदीका,
मनीष-नीशा अजमेरा
विजय-मुमुक्षा सोगानी
मनीष- आभा दोसी,
विवेक-सिद्धि गोदीका
आलोक-छवि छाबड़ा,
नवीन-अंतिमा जैन,
मुकेश-मैना अग्रवाल
शिवाल-कल्पना जैन
मित्रा परिवार, शांति नगर

जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम पर कार्यशाला आयोजित

अजमेर (रोहित जैन)

भारत सरकार के तत्वावधान में संचालित राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अजमेर के नए सेमिनार हॉल में लैब तकनीशियन एवं चिकित्सकों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे के मार्गदर्शन में हुआ। डॉ. अनिल सामरिया ने बताया कि कार्यशाला में हेपेटाइटिस की रोकथाम, जांच, उपचार तथा राष्ट्रीय कार्यक्रम से जुड़े नवीनतम विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस बी एवं सी के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए नोडल अधिकारी डॉ. गीता परिहार ने बताया कि कार्यशाला के दौरान कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, जन-जागरूकता प्रयासों तथा हेपेटाइटिस की समय पर पहचान और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. ज्योत्सना चंदवानी ने बताया कि इस अवसर पर अजमेर के वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. एम.पी. शर्मा तथा डॉ. मुनेश मीणा ने हेपेटाइटिस से संबंधित नवीन शोध, उपचार पद्धतियों और रोग प्रबंधन पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा कर्मियों को हेपेटाइटिस से संबंधित नवीन शोध, उपचार पद्धतियों तथा राष्ट्रीय कार्यक्रम की रणनीतियों से अवगत कराना था, ताकि रोग की प्रभावी रोकथाम, शीघ्र पहचान और बेहतर नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे, डॉ. गीता परिहार, डॉ. श्याम भूतड़ा, डॉ. संजीव माहेश्वरी, डॉ. अमित यादव, डॉ. सुनील माथुर, डॉ. एम.पी. शर्मा, डॉ. कमलेश तनवानी, डॉ. महेंद्र खन्ना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्सना रंगा सहित समस्त संकाय सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

मालवीय नगर में गूंजेगा 'वर्धमान' नाम

आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज का मंगल प्रवेश कल

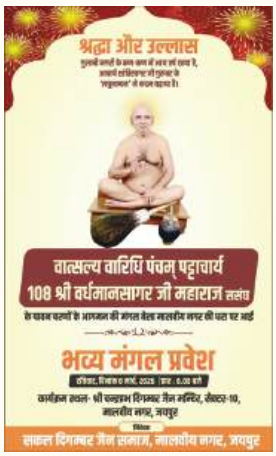

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगरी के मालवीय नगर क्षेत्र में आध्यात्मिक उत्साह का संचार हो रहा है। चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की अटूट परंपरा के संवाहक, वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार मालवीय नगर के श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर की ओर निरंतर जारी है।

8 मार्च को होगा ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

सुधा सागर सभागार में आयोजित समाज की विशेष बैठक में मंदिर अध्यक्ष हरक चंद लुहाड़िया ने बताया कि पूज्य आचार्य श्री ससंघ का मंगल प्रवेश रविवार, 8 मार्च 2026 को मालवीय नगर में होगा। आचार्य श्री के शुभागमन की सूचना मिलते ही संपूर्ण जैन समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई है। आचार्य श्री के स्वागत के लिए एक विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का मार्ग इस प्रकार निर्धारित किया गया है:

प्रारंभ: ई.एच.सी.सी. चिकित्सालय के सामने से।

मार्ग: सेक्टर-7 जैन मंदिर ➔ सेक्टर-6 चौराहा ➔ अमित भारद्वाज मार्ग ➔ हल्दिया महल के सामने ➔ दशहरा मैदान।

गंतव्य: श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर-10।

इस शोभायात्रा में हाथी, घोड़े और पारंपरिक वाद्ययंत्रों का लवाजमा मुख्य आकर्षण होगा। पूरे मार्ग को भव्य वंदनवारों और स्वागत द्वारों से सजाया जाएगा।

धर्मसभा और प्रवास कार्यक्रम

मंदिर पहुँचने के उपरांत भव्य धर्मसभा का आयोजन होगा, जिसमें आचार्य श्री के मंगल प्रवचन होंगे। इसी दिन मुनि संघ की 'आहार चर्या' भी संपन्न होगी। आचार्य श्री ससंघ का अल्पकालीन प्रवास मंदिर परिसर में ही रहेगा, जिससे स्थानीय श्रद्धालुओं को गुरु सानिध्य और सेवा का सुअवसर प्राप्त होगा। बैठक में उत्तम पांड्या, अंकलंक जैन, रामपाल जैन, पीयूष सिंघी, महेंद्र जैन, हरिशंकर, पवन, तेज और पीयूष सहित समाज के अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। अध्यक्ष हरक चंद जैन ने सकल जैन समाज और कार्यकारिणी की ओर से सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर तन-मन-धन से इस मांगलिक उत्सव को सफल बनाएं। **निवेदक:** सकल जैन समाज एवं कार्यकारिणी, श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर-10, मालवीय नगर, जयपुर।

युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में महावीर बाग इंदौर में जैन कॉन्फ्रेंस का ऐतिहासिक प्रांतीय सम्मेलन संपन्न

श्रमण संघ की सेवा, धर्म की सेवा के समान है: युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी

इंदोर. शाबाश इंडिया। जैन कॉन्फ्रेंस, मध्य प्रदेश प्रांतीय शाखा का प्रांतीय सम्मेलन महावीर बाग में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा. के पावन सान्निध्य में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में देशभर से आए पदाधिकारियों, साधु-साध्वी वृंद तथा समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष प्रेरणादायी बना दिया। इस अवसर पर युवाचार्यश्री ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि श्रमण संघ की सेवा करना वस्तुतः धर्म की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि संघ की एकता, अनुशासन और समर्पण की भावना ही समाज को नई दिशा और शक्ति प्रदान करती है। उन्होंने श्रावक समाज से आग्रह किया कि संगठन के माध्यम से धर्म, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। अभिग्रहधारी राजेश मुनि जी, प्रवचनकार अभिषेक मुनि जी, विकसित मुनि जी, निमाड़ रमणीक कुंवर जी, आदि ठाणा, उपप्रवर्तिनी दिव्या ज्योति जी म. आदि ठाणा तथा महासती अरुणा जी म.आदि ठाणा का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के राष्ट्रीय महामंत्री अमित राय, राष्ट्रीय चेयरमैन विश्वस्थ्य मंडल रमेश भंडारी (इंदौर), राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष संतोष जैन (दिल्ली), राष्ट्रीय महिला महामंत्री ऋचा जैन (दिल्ली), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विनय कुमार जैन (दिल्ली) तथा राष्ट्रीय समन्वयक जोन प्रथम सुरेश लुणावत (दिल्ली) विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिवेशन दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में संतवृंद के प्रेरक प्रवचन तथा प्रांतीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय पदाधिकारियों के उद्बोधन हुए। इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री अमित राय ने जैन कॉन्फ्रेंस के 120 वर्षों के गौरवशाली इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए श्रमण संघ की ऐतिहासिक भूमिका और उसके समाजोपयोगी कार्यों की जानकारी दी। वहीं राष्ट्रीय विश्वस्थ्य मंडल के अध्यक्ष रमेश भंडारी ने कहा कि मध्य प्रदेश प्रांत द्वारा आयोजित यह अधिवेशन अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि जिस उत्साह और समर्पण के साथ समाजजन इस अधिवेशन में सहभागी बने हैं, वह स्थानकवासी जैन समाज के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। साथ ही उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता विस्तार अभियान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।